जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 264 प्रभात हिण्डौन सिटी, सोमवार 28 जुलाई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राजद ने चुनाव आयोग के एसआईआर आंकड़ों को अविश्वनीय बताया

पटना, 27 जुलाई। बिहार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने चुनाव आयोग के हवाले से मीडिया में प्रकाशित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सम्बंधित आंकड़े को खारिज करते हुए इसे अविश्वसनीय और आधारहीन करार दिया है।

- राजद प्रवक्ता ने कहा कि मात्र 6 माह में 22 लाख मतदाताओं की मृत्यु का आंकड़ा आश्चर्यजनक है।

गगन ने कहा कि प्रकाशित आंकड़े में 65.2 लाख लोगों का नाम मतदाता सूची से कटने की बात की गई है। इन आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों का फॉर्म जमा नहीं हुआ है उसमें मृत, दूसरे स्थान पर स्थानांतरण, डबल पंजीकरण और ट्रेसलैस के रूप में वर्गीकरण बिना किसी आधार की स्पष्ट जानकारी के किया गया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि आंकड़े के अनुसार मतदाता सूची में लगभग 22 लाख मतदाताओं को मृत माना गया है। उन्होंने कहा कि आश्चर्यजनक बात यह है कि जनवरी 2025 से मात्र छः महीने में हीं 22 लाख मतदाताओं की मृत्यु हो गई। जबकि लोकसभा चुनाव के पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘मसौदा सूची पर विवाद क्यों खड़ा किया जा रहा है’

बिहार की मतदाता सूची पर उठे विवाद पर चुनाव आयोग ने सवाल किया

नई दिल्ली, 27 जुलाई। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर छिड़े विवाद के बीच चुनाव आयोग ने सवाल उठाया है। बिहार चुनाव आयोग ने कहा कि हम पहले ही बता चुके हैं कि यह मसौदा सूची है, अंतिम नहीं है तो विवाद क्यों खड़ा किया जा रहा है? चुनाव आयोग ने उन लोगों को जवाब दिया जो पुनरीक्षण के बाद बनी मसौदा सूची को लेकर भ्रम फैला रहे हैं।

- आयोग ने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची के 99.8 प्रतिशत हिस्से को कवर किया जा चुका है। सूची में 22 लाख ऐसे हैं जो अब जिंदा नहीं हैं तथा 7 लाख के करीब नाम दो से अधिक जगहों पर दर्ज हैं। इसी प्रकार 36 लाख स्थायी रूप से प्रवास कर गये या उनका कोई पता नहीं चल पाया।

निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि जब किसी नाम को गलत तरीके से शामिल करने या गलत तरीके से बाहर करने के लिए एक अगस्त से एक सितंबर तक का पूरा एक महीने का समय उपलब्ध है, तो इतना बड़ा हंगामा क्यों किया जा रहा है?

आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा कि क्यों न वे अपने 1.6 लाख बूथ स्तरीय एजेंटों से एक अगस्त से एक सितंबर तक दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए कहें। कुछ लोग यह धारणा क्यों बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि मसौदा सूची ही अंतिम सूची है, जबकि विशेष गहन पुनरीक्षण आदेशों के अनुसार यह अंतिम सूची नहीं है।

इससे पहले चुनाव आयोग ने कहा कि पहले चरण में करीब 7.24 करोड़ मतदाताओं ने दस्तावेजों के साथ अपने गणना फॉर्म जमा कराए हैं और इन सभी के नाम पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। आयोग ने कहा कि वर्तमान मतदाता सूची (करीब 7.9 करोड़) के 99.8 फीसदी हिस्से को कवर कर लिया है। आयोग ने बयान जारी कर कहा कि मतदाता सूची में 22 लाख नाम ऐसे हैं जो अब जिंदा नहीं हैं। वहीं 7 लाख के करीब नाम दो या दो से अधिक जगहों पर दर्ज पाए गए हैं। इसी प्रकार 36 लाख के करीब मतदाता या तो स्थायी रूप से प्रवास कर गए हैं या उनका कोई पता नहीं चल पाया। इस तरह करीब 64 लाख नाम पुनरीक्षित मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाए, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गई है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कानून और संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सके, ताकि लोगों को मताधिकार मिल सके।

‘इंसाफ व इंसानियत के लिए मैं झुग्गीवालों के साथ हूँ’

नयी दिल्ली, 27 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में झुग्गी झोपड़ियां तोड़ने की कार्रवाई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संवेदनहीनता करार देते हुए कहा है कि गरीब की छत छीनना इंसाफ तथा इंसानियत के खिलाफ है और इसके लिए वे गरीबों के साथ खड़े हैं।

गांधी ने कहा, “सोचिए, अगर आपके अपने माँ-बाप, बच्चे या भाई-

- राहुल गांधी ने दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ियों को तोड़ने की कार्यवाही का विरोध किया।

बहन के सिर से अचानक छत छीन ली जाए - अगर आपके पूरे परिवार को एक ही पल में बेघर कर दिया जाए, तो आपको कैसा लगेगा। दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले सैकड़ों ग़रीब परिवार आज इसी दर्द से गुजर रहे हैं। जिन छोटे-छोटे घरों में उनकी पूरी ज़िंदगी बसी थी, उन्हें भाजपा सरकार ने बेरहमी से उजाड़ दिया।”

उन्होंने कहा कि गरीब की झोपड़ी उसकी जीने का सहारा होता है। उनका कहना था कि ये सिर्फ़ घर नहीं थे - ये उनके सपने, उनका सम्मान और जीने का सहारा था। प्रशासन की आड़ में किया जा रहा यह अत्याचार, ग़रीबों के प्रति भाजपा की संवेदनहीनता और सत्ता के घमंड को उजागर करता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीसीएस इस वर्ष 12000 कर्मचारियों को निकालेगी

एडवांस तकनीकों व एआई को इंटीग्रेट करने के कारण कर्मचारियों की संख्या में 2 प्रतिशत कमी की जायेगी

नई दिल्ली, 27 जुलाई। भारत की आईटी दिग्गज टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026 में अपने कर्मचारियों की संख्या में 2 फीसदी की कटौती करने की योजना का खुलासा किया है, जिसका असर मध्यम और वरिष्ठ प्रबंधन पर पड़ेगा। टीसीएस ने एडवांस्ड तकनीकों को अपनाकर और एआई को इंटीग्रेट करके नए बाजारों में विस्तार करते हुए कर्मचारियों को फिर से ट्रेनिंग देने और रि-स्ट्रक्चरिंग की घोषणा की है।

- भारत का 283 अरब डॉलर का आईटी उद्योग संकट का सामना कर रहा है। ग्राहकों की कमी, लगातार बढ़ रही मुद्रास्फीति तथा अमेरिकी व्यापार नीतियों की अनिश्चितता इस संकट के प्रमुख कारण हैं।

इस बदलाव के तहत करीब 12,200 पदों को खत्म किया जाएगा। कंपनी ने कहा, यह बदलाव पूरी सावधानी से योजनाबद्ध किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं पर कोई असर न पड़े। कंपनी ने आगे कहा, हम समझते हैं कि यह हमारे सहयोगियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। हम उनकी सेवा के लिए उनका धन्यवाद करते हैं और नए अवसरों की ओर बढ़ने पर उन्हें उचित लाभ, आउटप्लेसमेंट, परामर्श और सहायता प्रदान करने के लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे।

भारत का 283 अरब डॉलर का आईटी उद्योग मुश्किलों का सामना कर रहा है। बताया जा रहा है कि ग्राहक की कम मांग, लगातार बढ़ ती मुद्रास्फीति और अमेरिकी व्यापार नीतियों को लेकर जारी अनिश्चितता के कारण गैर-जरूरी तकनीकी खर्च में कटौती कर रहे हैं।

टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन ने रविवार को एक इंटरव्यू में माना कि टेक्नोलॉजी और बिजनेस ऑपरेशंस में होने वाले बदलाव इसकी वजह हैं। उन्होंने कहा, हम नई तकनीकों, खासकर एआई और ऑपरेटिंग मॉडल चेंजेस में बदलावों पर जोर दे रहे हैं। काम करने के तरीके बदल रहे हैं। हमें भविष्य के लिए तैयार और चुस्त-दुरुस्त रहने की जरूरत है। हम बड़े पैमाने पर एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और भविष्य के लिए जरूरी कौशल का मूल्यांकन कर रहे हैं।

आईटी स्टाफ बॉडी ने टीसीएस के “प्लान्ड ले ऑफ” पर चिंता जताई है। नैसेंट इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इंप्लॉयी सीनेट (एनआईटीईएस) ने भी इस पर चिंता जताई है। इसके अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि इस तरह की सामूहिक छंटनी कर्मचारियों के बीच व्यापक अनिश्चितता पैदा करती है। साथ ही गंभीर नैतिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है, खासकर जब इसे पर्याप्त पारदर्शिता और औचित्य के बिना अंजाम दिया जाता है।

एनआईटीईएस ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से इसमें तुरंत हस्तक्षेप करने और टीसीएस से सफाई मांगने की अपील की है। संगठन की तरफ से कहा गया है, हम यह भी मांग करते हैं कि कंपनी श्रम कानूनों के तहत उचित प्रक्रिया का पालन करे, जिसमें कर्मचारियों और उनके प्रतिनिधियों से परामर्श भी शामिल हो। अनुकूलन या व्यावसायिक पुनर्गठन के नाम पर बड़े पैमाने पर छंटनी एक डिफॉल्ट रणनीति नहीं बन सकती। आईटी उद्योग को निष्पक्षता और करुणा बनाए रखनी चाहिए।

अब सोने की चिड़िया नहीं, शेर बनने का समय है-भागवत

संघ प्रमुख ने केरल में राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञानसभा को संबोधित किया

तिरुवनंतपुरम, 27 जुलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, भारत को अब सोने की चिड़िया बनने की जरूरत नहीं है, बल्कि अब शेर बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को शक्तिशाली बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा।

- मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली केवल ज्ञान नहीं देती बल्कि जीवन में दूसरों के लिए जीने व त्याग करने की भावना भी सिखाती है।

संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है जिसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने संविधान में वर्णित इंडिया, जो कि भारत है, के बारे में कहा, यह ठीक है लेकिन भारत, भारत है और इसलिए लिखते या बोलते समय हमें सिर्फ भारत नाम ही इस्तेमाल करना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान इसलिए है क्योंकि यह भारत है। यदि आप अपनी पहचान ही खो देंगे तो भले ही आपमें अन्य कितने भी अच्छे गुण हों, दुनिया में आपका सम्मान नहीं होगा।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भारतीय शिक्षा की विशेषताओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली सिर्फ ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में दूसरों के लिए जीने और त्याग करने की भावना भी सिखाती है। केरल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो इंसान को कहीं भी अपने दम पर जीने की क्षमता दे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसी होनी चाहिए कि व्यक्ति अपने आत्मबल और कौशल के आधार पर जीवन यापन कर सके।

भागवत ने भारत की ज्ञान परंपरा और विश्व के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर जोर देते हुए कहा कि विकसित भारत और विश्व गुरु भारत कभी भी युद्ध का कारण नहीं बनेगा और न ही किसी का शोषण करेगा।

भागवत ने ये भी कहा किशिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी भी इंसान को कहीं भी अपने दम पर जीवन जीने की क्षमता दे। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा लोगों को त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा किअगर कोई चीजइंसान को केवल स्वार्थी बनाना सिखाती है, तो वह शिक्षा नहीं हो सकती।उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना और उसमें सेवा, संस्कार व त्याग की भावना भरना होना चाहिए।

ममता बनर्जी सोमवार से भाषा आंदोलन शुरु करेंगी

कोलकाता, 27 जुलाई। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार को भाषा आंदोलन की शुरुआत करते हुए बीरभूम जिले के बोलपुर में पहली विरोध रैली का नेतृत्व करेंगी।

भाषा आंदोलन, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के उत्पीड़न के

- तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि बंगाली भाषी लोगों का भाजपा शासित राज्यों में उत्पीड़न हो रहा है।

आरोपों के बाद शुरू हुए बड़े विरोध अभियान का हिस्सा है। तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि बंगाली भाषियों को, विशेष रूप से भाजपा शासित राज्यों में, बंगलादेशी करार दिया जा रहा है और उन्हें जबरन सीमा पार बंगलादेश में वापस धकेला जा रहा है।

बनर्जी ने 21 जुलाई को शहीद दिवस रैली के दौरान 28 जुलाई को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 6 की मौत

रविवार की सुबह मंदिर के रास्ते में बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मची थी

हरिद्वार/देहरादून, 27 जुलाई। उत्तराखंड में हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह हाई वोल्टेज बिजली का तार टूटने की अफ़वाह के बाद मची भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गयी और लगभग 31 लोग घायल हो गए। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ि यां चढ़ नी होती हैं।

- जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किया, हादसे में गंभीर रूप से घायल पाँच व्यक्तियों को उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश भेजा गया।

उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) की ओर से घटना के बाद हेल्पलाइन नम्बर जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की न्यायिक जांच और मृतकों तथा घायलों को मुआवज़े की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा “हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ में लोगों की मौत की खबर सुनकर काफी दुखी हूँ।” उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। मोदी ने कहा कि प्रभावितों की मदद के लिए स्थानीय प्रशासन काम कर रहा है।

यूएसडीएमए के सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि आज प्रातः लगभग नौ बजे जनपद हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में छह व्यक्तियों की मृत्यु हुई है।

सुमन ने बताया कि हादसे में पांच व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें उपचार के लिए एम्स, ऋषिकेश भेज दिया गया है। बीस व्यक्तियों का उपचार हरमिलाप मिशन राजकीय चिकित्सालय, हरिद्वार में किया जा रहा है एवं तीन अन्य घायलों का उपचार मेला अस्पताल हरिद्वार में किया जा रहा है। घटना स्थल से भीड़ को हटा दिया गया है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। इसके बाद डॉक्टरों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

एक चश्मदीद ने बताया कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ि यां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ि यों पर गिरने से लोग मारे गए।

हरिद्वार पुलिस ने मंदिर में करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। गढ़ वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने की वजह से हादसा हुआ।

मनसा देवी हादसे में यूपी के मृतकों को योगी सरकार सहायता देगी

लखनऊ, 27 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह भगदड़ में मरने वाले छह लोगों के प्रति दुःख व्यक्त किया है । मुख्यमंत्री ने इस हादसे में मारे गए उत्तर प्रदेश के लोगों के परिजनों को मुआवजा देने का भी ऐलान किया है।

योगी ने कहा कि, श्री मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में श्रद्धालुओं के निधन का समाचार

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रूपये की सहायता की घोषणा की।

अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनायें शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

उन्होने अधिकारियों को उत्तराखंड सरकार से समन्वय स्थापित कर दुर्घटना में काल-कवलित हुए उ.प्र. के नागरिकों के पार्थिव शरीर उनके गृह जिले पहुंचा कर परिजनों को सौंपने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक मृतक के परिवार को 2-2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी।

राहुल गांधी एससी सम्मेलन के लिये नवम्बर में जयपुर आयेंगे

कांग्रेस के अनु.जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम ने प्रदेश स्तरीय सम्मेलन बुलाने की घोषणा की

जयपुर, 27 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री रहे राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि राजस्थान में नवंबर माह में एक बड़ा प्रदेश स्तरीय सम्मेलन करवाएंगे, जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भी बुलाया जाएगा।

राजेन्द्र पाल गौतम ने जयपुर में पार्टी की बैठक के बाद दलित एट्रोसिटी के मामलों पर कहा कि न्यायपालिका में बैठे कुछ जज भी जातिवाद से ग्रसित हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और निचली अदालत में अधिकतर जज ऐसे हैं जो संविधान और कानून के अनुसार न्याय करते हैं, लेकिन कुछ जज ऐसे हैं जो जातिवाद से ग्रसित हैं।

गौतम ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि संसद का इतना महत्वपूर्ण मुद्दा चल रहा है और प्रधानमंत्री जवाब देने की बजाय विदेश दौरे में व्यस्त हैं। गौतम ने कहा कि पहले दलित उत्पीड़न के मामले सबसे ज्यादा राजस्थान में आ रहे थे, लेकिन अब उत्तर प्रदेश राजस्थान से आगे निकल गया है। अकेले देशभर के 26 फीसदी मामले उत्तर प्रदेश से आ रहे हैं। यह एनसीआरबी का 2023 का आंकड़ा है। उसके बाद तो एनसीआरबी की रिपोर्ट भी संसद में आना बंद हो गई है।

- राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि पहले दलित उत्पीड़न के मामले सबसे ज्यादा राजस्थान से आ रहे थे, पर अब उत्तर प्रदेश, राजस्थान से आगे निकल गया है। देशभर के 26 प्रतिशत मामले अब अकेले उत्तर प्रदेश से आ रहे हैं।

गौतम ने कहा कि दलित समाज का जितना उत्थान और विकास कांग्रेस की सरकार में हुआ है, उतना किसी सरकार में नहीं हुआ है। कांग्रेस की सरकारों में दलित समाज के बच्चों को स्कॉलरशिप मिल जाती थी जिससे कि उनकी पूरी पढ़ाई का खर्च निकल जाता था। उन्होंने कहा कि दलित और वंचित समाज के साथ ही अब सामान्य वर्ग को भी समझ में आने लगा है कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चल सकती है।

बीसलपुर बाँध के 6 गेट खोले

टोंक, 27 जुलाई। बीसलपुर बांध में पानी की आवक बढ़ ने से रविवार रात्रि नौ बजे 4 गेट और खोल दिए ।गेट संख्या 9, 10, 11, 12 को दो-दो मीटर खोला गया है। अब कुल छह गेटों से पानी की निकासी की जा रही है।

बीसलपुर बांध परियोजना के मनीष बंसल ने बताया कि पानी की आवक के हिसाब से पानी निकासी ज्यादा की जा रही है। बांध के भराव क्षेत्र में तेज बारिश होने से पानी की

- बाँध के भराव क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए रविवार रात नौ बजे चार गेट और खोले गये।

आवक बढ़ गई है, जिसके मद्देनज़र बीसलपुर बांध प्रबंधन ने शनिवार देर रात ही गेट नंबर 10 को 1 मीटर से 2 मीटर तक खोलकर प्रति सैकंड 12020 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में शुरु कर दी। बांध में फिर पानी की आवक बढ़ ने से रविवार सुबह गेट नंबर 11 को भी एक मीटर खोलकर प्रति सैकेंड 6010 क्यूसेक पानी बनास नदी में छोड़ा । इसके बाद रात्रि नौ बजे 4 गेट और खोल दिए। अब कुल छः गेटों से पानी की निकासी की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसलपुर डेम से छोड़ा गया पानी इसरदा बांध में एकत्रित हो रहा है।